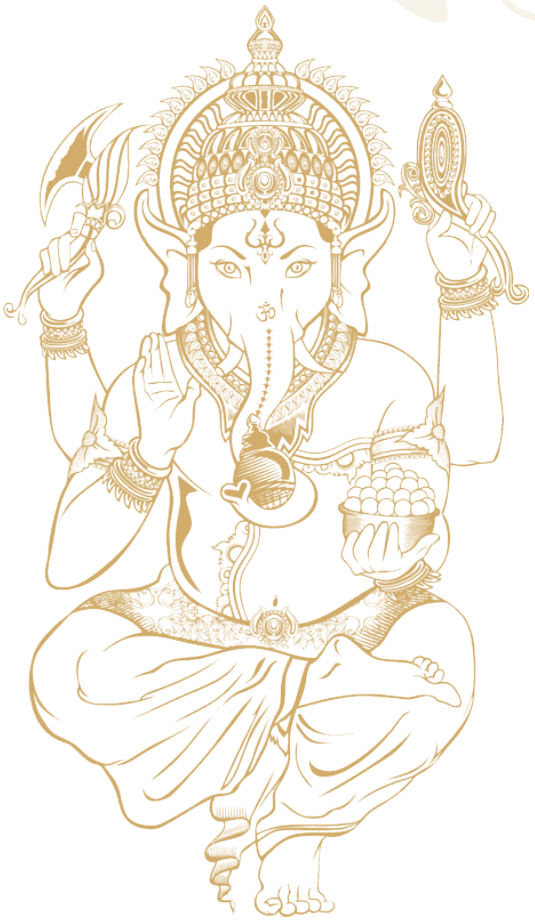

Mr.

18 Jul 1994

01:05 PM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121341318

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/07/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:05:00 घंटे**
इष्ट	19:50:30 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:15:48 घंटे
वेलान्तर	-00:06:10 घंटे
साम्पातिक काल	08:59:20 घंटे
सूर्योदय	05:08:47 घंटे
सूर्यास्त	18:41:38 घंटे
दिनमान	13:32:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:40:44 कर्क
लग्न के अंश	16:10:53 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	तो-तोरल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	16:10:53	315:19:15	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	01:40:44	00:57:14	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	01:42:19	14:17:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	नीच राशि
मंगल			वृष	16:18:48	00:41:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	11:18:39	00:59:10	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु			तुला	11:22:24	00:02:52	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	14:08:31	01:07:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		कुंभ	18:06:22	00:02:23	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	28:01:54	00:00:21	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	28:01:54	00:00:21	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	00:31:55	00:02:25	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
नेप	व		धनु	28:04:46	00:01:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	01:35:09	00:00:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	18:35:21	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:05

लग्न-चलित

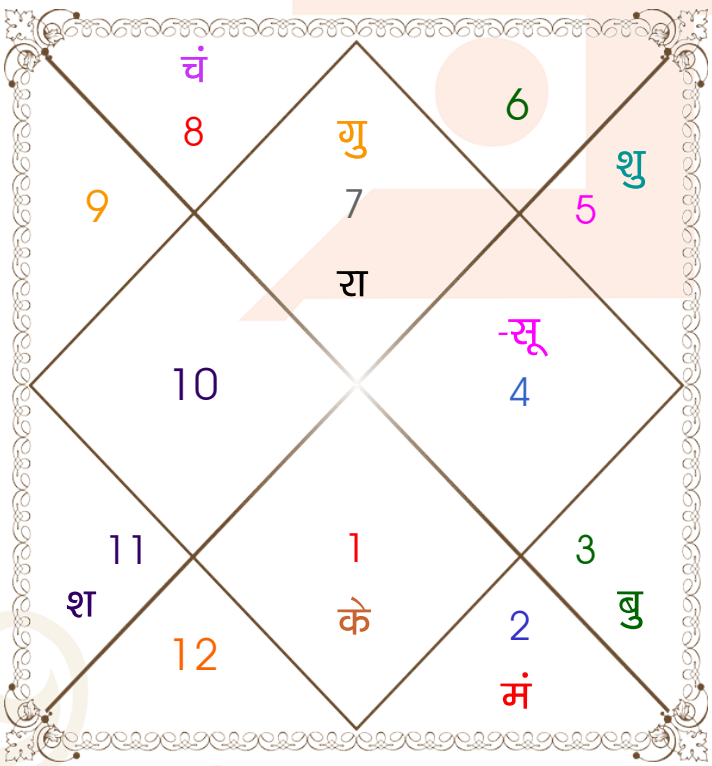

चन्द्र कुंडली

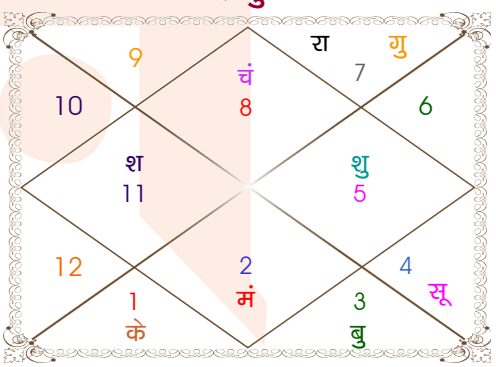

नवमांश कुंडली

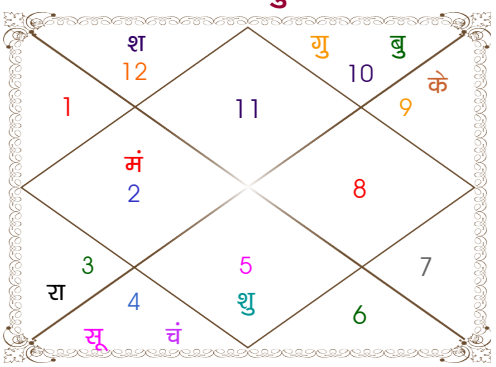

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 11 मास 13 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/07/1994		01/07/1996		01/07/2015		01/07/2032		01/07/2039	
01/07/1996		01/07/2015		01/07/2032		01/07/2039		01/07/2059	
	00/00/0000	शनि	04/07/1999	बुध	27/11/2017	केतु	27/11/2032	शुक्र	31/10/2042
	00/00/0000	बुध	13/03/2002	केतु	24/11/2018	शुक्र	27/01/2034	सूर्य	31/10/2043
	00/00/0000	केतु	22/04/2003	शुक्र	24/09/2021	सूर्य	04/06/2034	चंद्र	01/07/2045
	00/00/0000	शुक्र	22/06/2006	सूर्य	01/08/2022	चंद्र	03/01/2035	मंगल	31/08/2046
	00/00/0000	सूर्य	04/06/2007	चंद्र	31/12/2023	मंगल	01/06/2035	राहु	31/08/2049
	00/00/0000	चंद्र	02/01/2009	मंगल	27/12/2024	राहु	18/06/2036	गुरु	01/05/2052
	00/00/0000	मंगल	11/02/2010	राहु	17/07/2027	गुरु	25/05/2037	शनि	01/07/2055
	18/07/1994	राहु	18/12/2012	गुरु	21/10/2029	शनि	04/07/2038	बुध	01/05/2058
राहु	01/07/1996	गुरु	01/07/2015	शनि	01/07/2032	बुध	01/07/2039	केतु	01/07/2059

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/07/2059		01/07/2065		01/07/2075		01/07/2082		02/07/2100	
01/07/2065		01/07/2075		01/07/2082		02/07/2100		19/07/2114	
सूर्य	19/10/2059	चंद्र	01/05/2066	मंगल	27/11/2075	राहु	13/03/2085	गुरु	20/08/2102
चंद्र	19/04/2060	मंगल	30/11/2066	राहु	15/12/2076	गुरु	07/08/2087	शनि	02/03/2105
मंगल	24/08/2060	राहु	31/05/2068	गुरु	21/11/2077	शनि	13/06/2090	बुध	08/06/2107
राहु	19/07/2061	गुरु	30/09/2069	शनि	31/12/2078	बुध	30/12/2092	केतु	14/05/2108
गुरु	07/05/2062	शनि	01/05/2071	बुध	28/12/2079	केतु	18/01/2094	शुक्र	13/01/2111
शनि	19/04/2063	बुध	30/09/2072	केतु	25/05/2080	शुक्र	17/01/2097	सूर्य	01/11/2111
बुध	24/02/2064	केतु	01/05/2073	शुक्र	25/07/2081	सूर्य	12/12/2097	चंद्र	02/03/2113
केतु	01/07/2064	शुक्र	31/12/2074	सूर्य	30/11/2081	चंद्र	13/06/2099	मंगल	06/02/2114
शुक्र	01/07/2065	सूर्य	01/07/2075	चंद्र	01/07/2082	मंगल	02/07/2100	राहु	19/07/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।